Arimad Man Mitawan Hari Kali Chalisa Lyrics with Meaning in English and Hindi

Arimad Man Mitawan Hari Kali Chalisa Lyrics in Hindi

॥दोहा॥
जयकाली कलिमलहरण, महिमा अगम अपार ।
महिष मर्दिनी कालिका, देहु अभय अपार ॥

॥ चौपाई ॥
अरि मद मान मिटावन हारी । मुण्डमाल गल सोहत प्यारी ॥

अष्टभुजी सुखदायक माता । दुष्टदलन जग में विख्याता ॥

भाल विशाल मुकुट छवि छाजै । कर में शीश शत्रु का साजै ॥

दूजे हाथ लिए मधु प्याला । हाथ तीसरे सोहत भाला ॥

चौथे खप्पर खड्ग कर पांचे । छठे त्रिशूल शत्रु बल जांचे ॥

सप्तम करदमकत असि प्यारी । शोभा अद्भुत मात तुम्हारी ॥

अष्टम कर भक्तन वर दाता । जग मनहरण रूप ये माता ॥

भक्तन में अनुरक्त भवानी । निशदिन रटें ॠषी-मुनि ज्ञानी ॥

महशक्ति अति प्रबल पुनीता । तू ही काली तू ही सीता ॥

पतित तारिणी हे जग पालक । कल्याणी पापी कुल घालक ॥

शेष सुरेश न पावत पारा । गौरी रूप धर्यो इक बारा ॥

तुम समान दाता नहिं दूजा । विधिवत करें भक्तजन पूजा ॥

रूप भयंकर जब तुम धारा । दुष्टदलन कीन्हेहु संहारा ॥

नाम अनेकन मात तुम्हारे । भक्तजनों के संकट टारे ॥

कलि के कष्ट कलेशन हरनी । भव भय मोचन मंगल करनी ॥

महिमा अगम वेद यश गावैं । नारद शारद पार न पावैं ॥

भू पर भार बढ्यौ जब भारी । तब तब तुम प्रकटीं महतारी ॥

आदि अनादि अभय वरदाता । विश्वविदित भव संकट त्राता ॥

कुसमय नाम तुम्हारौ लीन्हा । उसको सदा अभय वर दीन्हा ॥

ध्यान धरें श्रुति शेष सुरेशा । काल रूप लखि तुमरो भेषा ॥

कलुआ भैरों संग तुम्हारे । अरि हित रूप भयानक धारे ॥

सेवक लांगुर रहत अगारी । चौसठ जोगन आज्ञाकारी ॥

त्रेता में रघुवर हित आई । दशकंधर की सैन नसाई ॥

खेला रण का खेल निराला । भरा मांस-मज्जा से प्याला ॥

रौद्र रूप लखि दानव भागे । कियौ गवन भवन निज त्यागे ॥

तब ऐसौ तामस चढ़ आयो । स्वजन विजन को भेद भुलायो ॥

ये बालक लखि शंकर आए । राह रोक चरनन में धाए ॥

तब मुख जीभ निकर जो आई । यही रूप प्रचलित है माई ॥

बाढ्यो महिषासुर मद भारी । पीड़ित किए सकल नर-नारी ॥

करूण पुकार सुनी भक्तन की । पीर मिटावन हित जन-जन की ॥

तब प्रगटी निज सैन समेता । नाम पड़ा मां महिष विजेता ॥

शुंभ निशुंभ हने छन माहीं । तुम सम जग दूसर कोउ नाहीं ॥

मान मथनहारी खल दल के । सदा सहायक भक्त विकल के ॥

दीन विहीन करैं नित सेवा । पावैं मनवांछित फल मेवा ॥

संकट में जो सुमिरन करहीं । उनके कष्ट मातु तुम हरहीं ॥

प्रेम सहित जो कीरति गावैं । भव बन्धन सों मुक्ती पावैं ॥

काली चालीसा जो पढ़हीं । स्वर्गलोक बिनु बंधन चढ़हीं ॥

दया दृष्टि हेरौ जगदम्बा । केहि कारण मां कियौ विलम्बा ॥

करहु मातु भक्तन रखवाली । जयति जयति काली कंकाली ॥

सेवक दीन अनाथ अनारी । भक्तिभाव युति शरण तुम्हारी ॥

॥दोहा॥
प्रेम सहित जो करे, काली चालीसा पाठ ।
तिनकी पूरन कामना, होय सकल जग ठाठ ॥

Arimad Man Mitawan Hari Kali Chalisa Meaning in Hindi

काली चालीसा

॥ दोहा ॥
जयकाली कलिमलहरण, महिमा अगम अपार।

- हे जय काली ! कलियुग के पापों का नाश करने वाली माता, आपकी महिमा असीम और अतुलनीय है।

महिष मर्दिनी कालिका, देहु अभय अपार ॥

- हे महिषासुर मर्दिनी माता कालिका ! हमें असीम और अनंत भयमुक्त आशीर्वाद प्रदान करें।

॥ चौपाई ॥
अरि मद मान मिटावन हारी। मुण्डमाल गल सोहत प्यारी ॥

- आप शत्रुओं का अहंकार और घमंड मिटाने वाली हैं। आपके गले में मुण्डों (कटे सिरों) की माला शोभा देती है।

अष्टभुजी सुखदायक माता। दुष्टदलन जग में विख्याता ॥

- हे अष्टभुजी माता ! आप सुख देने वाली हैं। दुष्टों का विनाश करने के लिए आप पूरे जगत में विख्यात हैं।

भाल विशाल मुकुट छवि छाजै। कर में शीश शत्रु का साजै ॥

- आपके मस्तक पर विशाल मुकुट है, और आपके एक हाथ में शत्रु का कटा हुआ सिर सुशोभित है।

दूजे हाथ लिए मधु प्याला। हाथ तीसरे सोहत भाला ॥

- दूसरे हाथ में मधु (अमृत) से भरा प्याला है, और तीसरे हाथ में भाला (भाला या हथियार) शोभा पा रहा है।

चौथे खप्पर खड्ग कर पांचे। छठे त्रिशूल शत्रु बल जांचे ॥

- चौथे हाथ में खप्पर (खोपड़ी), पांचवे में तलवार और छठे हाथ में त्रिशूल है, जिससे शत्रुओं की शक्ति परखी जाती है।

सप्तम करदमकत असि प्यारी। शोभा अद्भुत मात तुम्हारी ॥

- सातवें हाथ में चमकती हुई तलवार है। हे माता ! आपकी शोभा अद्भुत और अलौकिक है।

अष्टम कर भक्तन वर दाता। जग मनहरण रूप ये माता॥

- आठवें हाथ से आप भक्तों को वरदान देती हैं। आपका यह रूप पूरे जगत का मन मोहने वाला है।

भक्तन में अनुरक्त भवानी। निशदिन रटें ऋषी-मुनि ज्ञानी॥

- हे भवानी! आप अपने भक्तों के प्रति सदा अनुरक्त (प्रेमपूर्ण) रहती हैं। ऋषि-मुनि प्रतिदिन आपके नाम का जप करते हैं।

महशक्ति अति प्रबल पुनीता। तू ही काली, तू ही सीता॥

- आप महाशक्ति हैं, अत्यंत बलवान और पवित्र। आप ही माता काली हैं, और आप ही माता सीता भी हैं।

पतित तारिणी हे जग पालक। कल्याणी पापी कुल घालक॥

- हे पतितों को तारने वाली माता! आप संसार की रक्षक हैं। आप पापियों का नाश करने वाली कल्याणदायिनी हैं।

शेष सुरेश न पावत पारा। गौरी रूप धर्यो इक बारा॥

- शेषनाग और देवताओं के स्वामी भी आपकी महिमा की सीमा नहीं पा सके। आपने एक बार गौरी रूप धारण किया था।

तुम समान दाता नहिं दूजा। विधिवत करें भक्तजन पूजा॥

- आपके समान कोई दूसरा दाता नहीं है। भक्तजन आपकी विधिपूर्वक पूजा करते हैं।

रूप भयंकर जब तुम धारा। दुष्टदलन कीन्हेहु संहारा॥

- जब आपने भयंकर रूप धारण किया, तब आपने दुष्टों का संहार कर दिया।

नाम अनेकन मात तुम्हारे। भक्तजनों के संकट टारे॥

- हे माता! आपके कई नाम हैं, और आप अपने भक्तों के सभी संकट दूर करती हैं।

कलि के कष्ट कलेशन हरनी। भव भय मोचन मंगल करनी॥

- आप कलियुग के कष्टों और क्लेशों को हरने वाली हैं। आप जन्म-मृत्यु के भय को मिटाकर मंगल करने वाली हैं।

महिमा अगम वेद यश गावैं। नारद शारद पार न पावैं॥

- आपकी महिमा इतनी अद्भुत है कि वेद आपके यश का गान करते हैं, पर नारद और सरस्वती भी आपकी महिमा की सीमा नहीं पा सकते।

भू पर भार बढ्यौ जब भारी। तब-तब तुम प्रकटीं महतारी॥

- जब भी पृथ्वी पर अत्यधिक भार बढ़ता है, तब-तब आप माता के रूप में प्रकट होती हैं।

आदि अनादि अभय वरदाता। विश्वविदित भव संकट त्राता॥

- आप आदि और अनादि हैं। आप अभय (भयमुक्ति) का वरदान देने वाली और संसार की संकटहरणी हैं।

कुसमय नाम तुम्हारौ लीन्हा। उसको सदा अभय वर दीन्हा॥

- जिसने भी संकट के समय आपका नाम लिया, आपने उसे सदा अभय (निर्भयता) का वरदान दिया।

ध्यान धरें श्रुति शेष सुरेशा। काल रूप लखि तुमरो भेषा॥

- शेषनाग और देवताओं के स्वामी भी आपका ध्यान करते हैं और आपके काल (प्रलय) रूप का दर्शन करते हैं।

कलुआ भैरों संग तुम्हारे। अरि हित रूप भयानक धारे॥

- आपके साथ कलुआ (काला भैरव) और अन्य भैरव देवता रहते हैं। आप शत्रुओं के लिए भयंकर रूप धारण करती हैं।

सेवक लांगुर रहत अगारी। चौसठ जोगन आज्ञाकारी॥

- आपके सेवक लांगूर और चौसठ योगिनियां आपकी सेवा में सदा तत्पर रहते हैं और आपकी आज्ञा का पालन करते हैं।

त्रेता में रघुवर हित आई। दशकंधर की सैन नसाई॥

- त्रेता युग में आपने श्रीराम के लिए प्रकट होकर रावण की सेना का नाश किया।

खेला रण का खेल निराला। भरा मांस-मज्जा से प्याला॥

- आपने युद्ध में अद्भुत पराक्रम दिखाया और शत्रुओं का संहार कर खप्पर को मांस और रक्त से भर दिया।

रौद्र रूप लखि दानव भागे। कियौ गवन भवन निज त्यागे॥

- आपका रौद्र रूप देखकर दानव डरकर भाग खड़े हुए और अपने महल छोड़कर कहीं और चले गए।

तब ऐसौ तामस चढ़ आयो। स्वजन विजन को भेद भुलायो॥

- फिर इतनी तामसिक (अत्यधिक क्रोधयुक्त) ऊर्जा छा गई कि अपने-पराए का भेद भूल गया।

ये बालक लखि शंकर आए। राह रोक चरनन में धाए॥

- आपके इस उग्र रूप को देखकर भगवान शंकर आए और आपके चरणों में गिरकर मार्ग रोक लिया।

तब मुख जीभ निकर जो आई। यही रूप प्रचलित है माई॥

- तभी आपके मुख से लंबी जीभ बाहर निकल आई। यह रूप ही आपके प्रसिद्ध रूप के रूप में प्रचलित हो गया।

बाढ्यो महिषासुर मद भारी। पीड़ित किए सकल नर-नारी॥

- जब महिषासुर का अहंकार अत्यधिक बढ़ गया और उसने सभी मनुष्यों और देवताओं को कष्ट दिया।

करूण पुकार सुनी भक्तन की। पीर मिटावन हित जन-जन की॥

- तब आपने भक्तों की करुण पुकार सुनी और उनकी पीड़ा दूर करने के लिए अवतार लिया।

तब प्रगटी निज सैन समेता। नाम पड़ा मां महिष विजेता॥

- आपने अपनी सेना के साथ प्रकट होकर महिषासुर का संहार किया। तभी से आपको महिष विजेता (महिषासुर मर्दिनी) कहा जाने लगा।

शुंभ निशुंभ हने छन माहीं। तुम सम जग दूसर कोउ नाहीं॥

- शुंभ और निशुंभ जैसे असुरों का आपने क्षणभर में नाश कर दिया। आपके समान संसार में कोई अन्य शक्ति नहीं है।

मान मथनहारी खल दल के। सदा सहायक भक्त विकल के॥

- आप दुष्टों के अहंकार को चूर-चूर करने वाली हैं और अपने भक्तों के संकटों में हमेशा सहायक रहती हैं।

दीन विहीन करैं नित सेवा। पावैं मनवांछित फल मेवा॥

- दीन-हीन लोग जो आपकी सेवा करते हैं, वे अपनी इच्छित फल और सुख-समृद्धि प्राप्त करते हैं।

संकट में जो सुमिरन करहीं। उनके कष्ट मातु तुम हरहीं॥

- जो व्यक्ति संकट में आपको याद करता है, उसके सभी कष्ट आप तुरंत दूर कर देती हैं।

प्रेम सहित जो कीरति गावैं। भव बन्धन सों मुक्ती पावैं॥

- जो भक्त प्रेमपूर्वक आपकी महिमा का गान करते हैं, वे जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाते हैं।

काली चालीसा जो पढ़हीं। स्वर्गलोक बिनु बंधन चढ़हीं॥

- जो व्यक्ति श्रद्धा के साथ काली चालीसा का पाठ करता है, वह बिना किसी बाधा के स्वर्गलोक में स्थान पाता है।

दया दृष्टि हेरौ जगदम्बा। केहि कारण मां कियौ विलम्बा॥

- हे जगदंबा! अपनी दया दृष्टि हम पर डालिए। कृपा करके बताइए, आपने आने में विलंब क्यों किया?

करहु मातु भक्तन रखवाली। जयति जयति काली कंकाली॥

- हे माता! कृपया अपने भक्तों की रक्षा करें। जय हो, जय हो माता काली कंकाली!

सेवक दीन अनाथ अनारी। भक्तिभाव युति शरण तुम्हारी॥

- आपके सेवक, जो दीन, अनाथ और असहाय हैं, भक्तिभाव से आपकी शरण में आते हैं।

॥ दोहा ॥
प्रेम सहित जो करे, काली चालीसा पाठ।

- जो व्यक्ति प्रेमपूर्वक काली चालीसा का पाठ करता है,

तिनकी पूरन कामना, होय सकल जग ठाठ॥

- उसकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं, और वह संसार में सुख-समृद्धि प्राप्त करता है।

Arimad Man Mitawan Hari Kali Chalisa Lyrics in English

॥ Doha ॥
Jayakali kalimalharan, mahima agam apaar।
Mahish mardini kaalika, dehu abhay apaar॥

॥ Chaupai ॥
Ari mad maan mitaavan haari। Mundmaal gal sohat pyaari॥

Ashtabhuji sukhdaayak maata। Dushtdalan jag mein vikhyaata॥

Bhaal vishaal mukut chhavi chaajai। Kar mein sheesh shatru ka saajai॥

Dooje haath liye madhu pyaala। Haath teesre sohat bhaala॥

Chauthe khappar khadg kar paanchai। Chhathe trishool shatru bal jaanchai॥

Saptam kardamakath asi pyaari। Shobha adbhut maat tumhaari॥

Ashtam kar bhaktan var daata। Jag manharan roop ye maata॥

Bhaktan mein anurakt bhavaani। Nishdin ratein rishi-muni gyaani॥

Mahashakti ati prabal puneeta। Tu hi kaali tu hi seeta॥

Patit taarini he jag paalak। Kalyaani paapi kul ghaalak॥

Shesh suresh na paavat paara। Gauri roop dharyo ik baara॥

Tum samaan daata nahin dooja। Vidhivat karen bhaktjan pooja॥

Roop bhayankar jab tum dhaara। Dushtdalan keenhehu sanhaara॥

Naam anekan maat tumhaare। Bhaktjanon ke sankat taare॥

Kali ke kasht kaleshan harani। Bhav bhay mochan mangal karani॥

Mahima agam ved yash gaavai। Narad sharad paar na paavai॥

Bhoo par bhaar badhyo jab bhaari। Tab tab tum prakateen mahtaari॥

Aadi anaadi abhay vardata। Vishwavidit bhav sankat trata॥

Kusamay naam tumhaaro leenha। Usko sada abhay var deenha॥

Dhyaan dharen shruti shesh suresha। Kaal roop lakhi tumro bhesha॥

Kaluwa bhairon sang tumhaare। Ari hit roop bhayank dhare॥

Sewak langur rahat agaari। Chausath jogan aagyakaari॥

Treta mein Raghuvar hit aai। Dashkandhar ki sain nasaai॥

Khela ran ka khel niraala। Bhara maans-majja se pyaala॥

Raudra roop lakhi danav bhaage। Kiyau gavan bhavan nij tyaage॥

Tab aisau taamas chadh aayo। Swajan vijan ko bhed bhulaayo॥

Ye baalak lakhi Shankar aaye। Raah rok charanan mein dhaaye॥

Tab mukh jeebh nikar jo aai। Yahi roop prachalit hai maai॥

Baadhyo Mahishasur mad bhaari। Peedit kiye sakal nar-naari॥

Karun pukaar suni bhaktan ki। Peer mitaavan hit jan-jan ki॥

Tab pragati nij sain sameta। Naam pada maa Mahish vijeta॥

Shumbh Nishumbh hane chan maahin। Tum sam jag doosar kou naahin॥

Maan mathanhaari khal dal ke। Sadaa sahaayak bhakt vikal ke॥

Deen viheen karain nit sewa। Paavain manvaanchhit phal mewa॥

Sankat mein jo sumiran karahin। Unke kasht maat tum harahin॥

Prem sahit jo keerati gaavai। Bhav bandhan son mukti paavai॥

Kaali chhaaleesa jo padhahin। Swargalok binu bandhan chadhahin॥

Daya drishti herau Jagdamba। Kehi kaaran maa kiyao vilamba॥

Karu maat bhaktan rakhwaali। Jayati jayati Kaali Kankaali॥

Sewak deen anaath anaari। Bhaktibhav yuti sharan tumhaari॥

॥ Doha ॥
Prem sahit jo kare, Kaali chhaaleesa paath।
Tinki pooran kaamna, hoy sakal jag thaath॥

Arimad Man Mitawan Hari Kali Chalisa Meaning in English

॥ Doha ॥
Jayakali kalimalharan, mahima agam apaar।

- Hail, O Kali! You are the remover of sins in the dark age (Kaliyuga). Your glory is infinite and immeasurable.

Mahish mardini kaalika, dehu abhay apaar□

- O Mahishasur Mardini, Mother Kalika! Grant us immense fearlessness and protection.

□ Chaupai □
Ari mad maan mitaavan haari□ Mundmaal gal sohat pyaari□

- You destroy the pride and arrogance of enemies. A beautiful garland of severed heads adorns your neck.

Ashtabhuji sukhdaayak maata□ Dushtdalan jag mein vikhyaata□

- O eight-armed Mother! You are the bestower of happiness and renowned for destroying evil forces in the world.

Bhaal vishaal mukut chhavi chaajai□ Kar mein sheesh shatru ka saajai□

- A magnificent crown graces your large forehead, and one of your hands holds the head of a slain enemy.

Dooje haath liye madhu pyaala□ Haath teesre sohat bhaala□

- In your second hand, you hold a cup of nectar, and in the third hand, a spear shines brightly.

Chauthe khappar khadg kar paanchai□ Chhathe trishool shatru bal jaanchai□

- In the fourth hand, you hold a skull cup, the fifth holds a sword, and the sixth wields a trident to test the strength of your enemies.

Saptam kardamakath asi pyaari□ Shobha adbhut maat tumhaari□

- The seventh hand holds a shining scimitar, displaying the unique and divine radiance of your form.

Ashtam kar bhaktan var daata। Jag manharan roop ye maata।

- In the eighth hand, you bless your devotees with boons. Your captivating form enchants the entire world.

Bhaktan mein anurakt bhavaani। Nishdin ratein rishi-muni gyaani।

- O Bhavani! You are always affectionate toward your devotees. Wise sages and seers chant your name daily.

Mahashakti ati prabal puneeta। Tu hi kaali tu hi seeta।

- You are the great and powerful Mahashakti, the pure divine energy. You are both Kali and Sita.

Patit taarini he jag paalak। Kalyaani paapi kul ghaalak।

- O savior of the fallen, protector of the world! You bring prosperity and destroy sinful clans.

Shesh suresh na paavat paara। Gauri roop dharyo ik baara।

- Even Sheshnag and other divine lords cannot comprehend your greatness. Once, you assumed the form of Goddess Gauri.

Tum samaan daata nahin dooja। Vidhivat karen bhaktjan pooja।

- There is no other benefactor like you. Devotees perform your worship with proper rituals.

Roop bhayankar jab tum dhaara। Dushtdalan keenhehu sanhaara।

- When you take on a terrifying form, you destroy all the evil forces.

Naam anekan maat tumhaare Bhaktjanon ke sankat taare

- O Mother! You have many names, and you remove the troubles of your devotees.

Kali ke kasht kaleshan harani Bhav bhay mochan mangal karani

- You remove the suffering and distress of Kaliyuga. You liberate devotees from the fear of worldly existence and bring auspiciousness.

Mahima agam ved yash gaavai Narad sharad paar na paavai

- The Vedas sing of your greatness, but even sages like Narad and Saraswati cannot fully comprehend your glory.

Bhoo par bhaar badhyo jab bhaari Tab tab tum prakateen mahtaari

- Whenever the burden on the earth increases, you manifest yourself as the great mother to restore balance.

Aadi anaadi abhay vardata Vishwavidit bhav sankat trata

- You are eternal, both with and without a beginning. You are the fearless giver of boons and the universally known savior from worldly troubles.

Kusamay naam tumhaaro leenha Usko sada abhay var deenha

- Whoever takes your name in times of distress receives your eternal protection and fearlessness.

Dhyaan dharen shruti shesh suresha Kaal roop lakhi tumro bhesha

- Shrutis (scriptures), Sheshnag, and divine beings meditate upon you. They behold your terrifying form as the embodiment of time (Kaal).

Kaluwa bhairon sang tumhaare। Ari hit roop bhayank dhare।

- Kaluwa Bhairav and other Bhairavs accompany you as you assume a fierce form to defeat enemies.

Sewak langur rahat agaari। Chausath jogan aagyakaari।

- Your servant Langur is ever-present, and sixty-four Yoginis remain obedient to your commands.

Treta mein Raghuvar hit aai। Dashkandhar ki sain nasaai।

- In the Treta Yuga, you appeared to aid Lord Ram and annihilated the army of the ten-headed demon Ravana.

Khela ran ka khel niraala। Bhara maans-majja se pyaala।

- You fought a unique and fearsome battle, filling your cup with the flesh and marrow of your enemies.

Raudra roop lakhi danav bhaage। Kiyau gavan bhavan nij tyaage।

- Seeing your ferocious form, the demons fled in terror, abandoning their homes and strongholds.

Tab aisau taamas chadh aayo। Swajan vijan ko bhed bhulaayo।

- At that time, such intense darkness and rage overtook them that they could no longer distinguish between friend and foe.

Ye baalak lakhi Shankar aaye। Raah rok charanan mein dhaaye।

- Seeing this terrifying scene, Lord Shiva arrived and fell at your feet to stop your rage.

Tab mukh jeebh nikar jo aai। Yahi roop prachalit hai maai।

- At that moment, your long tongue emerged from your mouth, and this form of yours became renowned throughout the world.

Baadhyo Mahishasur mad bhaari। Peedit kiye sakal nar-naari।

- When Mahishasur’s pride and arrogance grew beyond limits, he caused suffering to all men and women.

Karun pukaar suni bhaktan ki। Peer mitaavan hit jan-jan ki।

- Hearing the anguished cries of your devotees, you appeared to relieve their suffering and protect all people.

Tab pragati nij sain sameta। Naam pada maa Mahish vijeta।

- You manifested with your divine army and were named “Mahish Vijeta” (the conqueror of Mahishasur).

Shumbh Nishumbh hane chan maahin। Tum sam jag doosar kou naahin।

- You vanquished Shumbh and Nishumbh within moments. There is no one else like you in the entire world.

Maan mathanhaari khal dal ke। Sadaa sahaayak bhakt vikal ke।

- You destroy the pride of wicked forces and are always a helper to your distressed devotees.

Deen viheen karain nit sewa। Paavain manvaanchhit phal mewa।

- The poor and helpless constantly serve you and receive their desired wishes and prosperity.

Sankat mein jo sumiran karahin□ Unke kasht maat tum harahin□

- Those who remember you in times of trouble have all their sufferings removed by you, O Mother.

Prem sahit jo keerati gaavai□ Bhav bandhan soun mukti paavai□

- Those who lovingly sing your praises attain liberation from the cycle of birth and death.

Kaali chhaaleesa jo padhahin□ Swargalok binu bandhan chadhahin□

- Those who recite this Kali Chalisa ascend to heaven without any hindrance or bondage.

Daya drishti herau Jagdamba□ Kehi kaaran maa kiyao vilamba□

- O Mother Jagdamba! Shower your merciful gaze upon me. Why have you delayed in granting your grace?

Karu maat bhaktan rakhwaali□ Jayati jayati Kaali Kankaali□

- O Mother! Protect your devotees. Victory, victory to you, O Kali Kankali!

Sewak deen anaath anaari□ Bhaktibhav yuti sharan tumhaari□

- Your servants, who are poor, orphaned, and helpless, seek refuge in you with devotion and faith.

□ Doha □

Prem sahit jo kare, Kaali chhaaleesa paath।

- Whoever recites this Kali Chalisa with devotion and love,

Tinki pooran kaamna, hoy sakal jag thaath।

- All their desires are fulfilled, and they enjoy prosperity and grandeur in the world.